Patrika (Indore), 20th June 2025, Page – 02

आइआइटी इंदौर को मिला 556वां स्थान

इंदौर @ पत्रिका. आइआइटी इंदौर ने एक बार फिर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाते हुए क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2026 में 556वां स्थान प्राप्त किया है। 19 जून को जारी रैंकिंग में दुनिया के 1501 विवि को शामिल किया गया, जिनमें भारत के 54 संस्थान थे। आइआइटी इंदौर को भारत में 12वां स्थान मिला है और दूसरी पीढ़ी के आइआइटीज (जो 2008 के बाद स्थापित हुए) में यह सर्वोच्च रैंकिंग वाला संस्थान बना है।

क्या है यह रैंकिंग?

क्सूएस रैंकिंग एक वैश्विक शैक्षणिक मूल्यांकन है जो संस्थानों को विभिन्न मानकों पर परखती है- जैसे शैक्षणिक प्रतिष्ठा, शोध गुणवत्ता, नियोक्ता फीडबैक, फैकल्टी-स्टूडेंट अनुपात, इंटरनेशनल स्टूडेंट्स व फैकल्टी की भागीदारी, स्थिरता और वैश्विक शोध नेटवर्क।

यह रैंकिंग टीम की मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। स्थिति में मामूली गिरावट आई है, लेकिन कुल स्कोर और अधिकांश इंडिकेटर्स में हमने सुधार किया है।-**प्रो. सुहास जोशी,** निदेशक, आइआइटी इंदौर

रैंकिंग में आइआइटी इंदौर का प्रदर्शन

- **शोध में उच्च स्तर :** आइआइटी इंदौर ने प्रति फैकल्टी साइटेशन यानी हर शिक्षक द्वारा किए गए शोध कार्य के प्रभाव में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। इस मानक में संस्थान को 100 में से 96.9 अंक मिले हैं। इसमें संस्थान को भारत में छठा और दुनिया में 57वां स्थान मिला है।
- **फैकल्टी-स्टूडेंट अनुपात :** संस्थान ने फैकल्टी और विद्यार्थियों के अनुपात के क्षेत्र में भी सुधार किया है। इस कैटेगरी में स्कोर 27.1 से बढ़कर 28.8 हो गया।
- **शैक्षणिक और नियोक्ता प्रतिष्ठा में बढ़त :** शैक्षणिक और नियोक्ता प्रतिष्ठा में भी आइआइटी इंदौर ने सुधार किया है। शैक्षणिक प्रतिष्ठा में स्कोर 6.1 से बढ़कर 8.0 और नियोक्ता प्रतिष्ठा में स्कोर 5.0 से बढ़कर 16.9 हुआ है।
- **पर्यावरणीय स्थिरता और शोध नेटवर्क :** इस वर्ष स्थिरता के क्षेत्र में भी सुधार किया गया, जो पर्यावरण, सामाजिक जिम्मेदारी और संस्थान की हरित नीतियों को बताता है। इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क में भी स्कोर बेहतर हुआ है, जिससे अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ा है।